

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Programme 6th Semester Examination, 2022

GE1-P2-SANSKRIT

HISTORY OF SCIENTIFIC AND TECHNICAL LITERATURE IN SANSKRIT

Time Allotted: 2 Hours Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

Unit-I

1. Answer any *one* question:

 $12 \times 1 = 12$

- (a) Write an essay on आयुर्वेदशास्त्र in ancient and medieval India.
- (b) Write a detailed note on importance of व्याकरणशास्त्र in Sanskrit literature.
- 2. Write short notes on any *two* of the following:

 $6 \times 2 = 12$

- (a) अमरकोश
- (b) गणितशास्त्र
- (c) संगीतदामोदर।
- 3. Answer any *four* of the following questions:

 $3 \times 4 = 12$

- (a) Who was गंजादास? What is his famous book on छन्दःशास्त्र?
- (b) Who was the propounder of वास्तुशास्त्र? Write the name of two books on this शास्त्र।
- (c) What are the two categories of architecture? Write the name of the famous architect of Second Category.
- (d) What are the main branches of scientific literature in Sanskrit?
- (e) Write the name of two authors and their works in the field of ancient Indian Alchemy.
- (f) Name the books written by वराहिमहिर:।
- 4. Translate from Bengali to Sanskrit any *two* of the following:

 $6 \times 2 = 12$

(a) সংস্কৃত ভারতীয় সংস্কৃতির মূল। এটি আমাদের ঐক্যবন্ধনের কারণ। ভারতবর্ষের যে ঐতিহ্য, তা কিন্তু সংস্কৃতের অধীন। সংস্কৃতই আঞ্চলিক ভাষাগুলির প্রাণ স্বরূপ। সংস্কৃত ভাষারই অমৃতরসে ওই ভাষাগুলির সমৃদ্ধি ঘটেছে।

UG/CBCS/B.A./Programme/6th Sem./Sanskrit/SANPGE2/2022

- (b) সংস্কৃত সাহিত্যে মহাকবি কালিদাস উজ্জ্বল জ্যোতিষ্কস্বরূপ। তার লেখা অভিজ্ঞানশকুন্তলম্ নাটক জগতে সুপরিচিত। তিনি সরস্বতীর বরপুত্র নামে খ্যাত।
- (c) পুরাকালে বোধিসত্ত্ব কোশলদেশে কোনো এক ব্রাহ্মণকুলে জন্মগ্রহণ করেছিলেন। তাঁর তিনটি কন্যা ছিল। তাদের বিবাহের পূর্বেই তিনি পরলোকগমন করেন।

Unit-II

- 5. Read any *one* of the following passages and answer the following question in $12 \times 1 = 12$ Sanskrit:
 - (a) अस्ति कल्याणकटकवास्तव्या भैरवो नाम व्याधः। स चैकदा मृगयार्थं भ्राम्यन् विन्ध्याटवीमध्यं गतः। तेन तत्र व्यापादितं मृगमादाय गच्छता धोराकृतिः शूकरी दृष्टः। ततस्तेन व्याधेन मृगं भूमौ निघाय शुकरः शरेणहतः। शूकरेणाप्यागत्य घनघोरगर्जनं कुर्वाणेन व्याधो हतश्चिन्नमूलद्रुमवत् भूमौ पपात।
 - (i) कल्याणकटके कः वसति स्म ?
 - (ii) स भ्रम्यन् कुत्र गतः ? किमर्थञ्च ?
 - (iii) स व्यापादितं मृगमाहाय किं दृष्टवान् ?
 - (iv) व्याधः केन प्रकारेण पपात ?
 - (b) दक्षिणसमुद्रतीरे टिट्टिभदम्पती निवसतः। नत्र चासन्नप्रसवा टिट्टिभी भर्तारमाह—नाथ! प्रसवयोग्यस्थानं निभृतमनुसन्धीयताम्। टिट्टिभोऽवदत्—भार्ये निन्वदमेव स्थानं प्रसूतियोग्यम्। सा ब्रुते—समुद्रवेलया प्लाव्यते स्थानमेतत्। टिट्टिभोऽवदत्—िकमहं निर्बलः येन स्वगृहावस्थितः समुद्रेण निग्रहीतव्यः ? टिट्टिभी विहस्याह—स्वामिन् त्वया समुद्रेण च महदन्तरम्।
 - (i) टिहिभदम्पती कुत्र निवसतः ? टिहिभ्याः दशा कीदृशी आसीत् ?
 - (ii) सा किमवदत् तस्याः भर्तारम् ?
 - (iii) भर्ता किमुत्तरं दत्तवान् ?
 - (iv) भर्तुः उत्तरं श्रुत्वा टिट्टिभी किं निरुद्विग्ना जाता ?

____×___

2

6133